# उदास राजकुमार

मैक्स

एक बार विलियम नामक एक छोटा राजकुमार था.
वो अपने माता-पिता, राजा और रानी के साथ एक विशाल महल में रहता था. महल, एक हरे भरे सुंदर पार्क से घिरा हुआ था.
विलियम एक बिगड़ा हुआ नवाब था. वो जो कुछ भी चाहता वो उसे मिलता था. इसके लिए उसे खुश होना चाहिए था, लेकिन वैसा बिल्कुल नहीं था. वो न हँसता था और न ही रोता था. वो हमेशा उदास रहता था.
उससे राजा और रानी बहुत चिंतित थे. "तुम इतने उदास क्यों दिख रहे हो?" उन्होंने उत्सुकता से पूछा. "तुम्हारे पास खेलने के लिए महंगे-से-महंगे खिलौने हैं, फिर भी तुम उदास क्यों हो?"
विलियम ने एक पल के लिए सोचा. "मेरे पास एक गर्म हवा का गुब्बारा (हॉट एयर बलून) नहीं है," उसने कहा.
"तुम्हारी मंशा ज़रूर पूरी होगी," राजा और रानी ने कहा, "तुम्हें जल्द ही एक हॉट एयर बलून मिल जायेगा. अब खुश हो जाओ!"

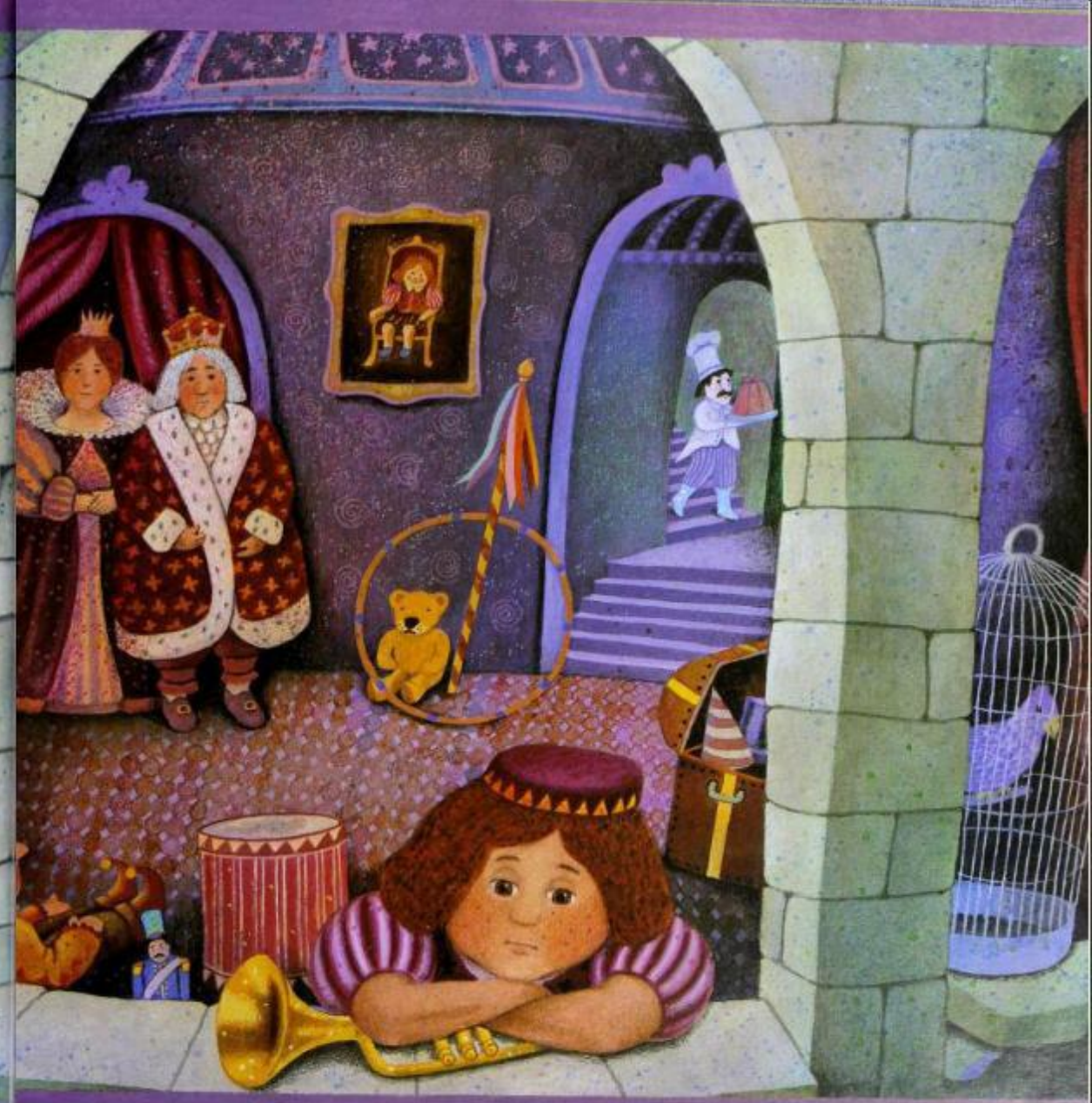

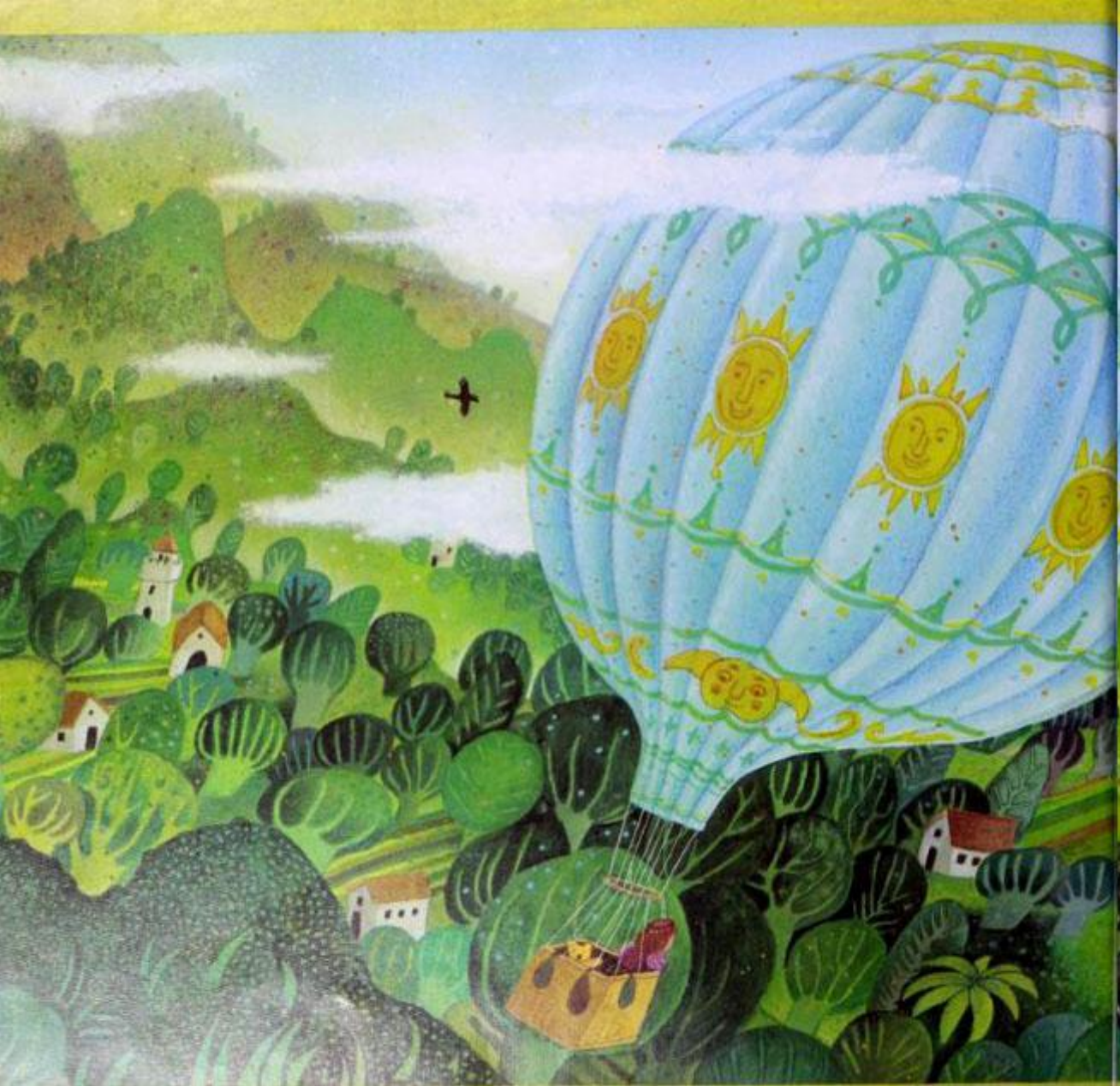

दिन भर, विलियम अपने गुब्बारे (हॉट एयर बलून) के साथ खेलता रहा. उसने उसे गर्म हवा से भरा और फिर वो महल के चौड़े हरे भरे पार्क में उसमें धीरे से चढ़ा. फिर वो हवा में तैरने लगा. लेकिन फिर भी विलियम न तो हंसा और न ही रोया. उसका चेहरा अभी भी उदास था.

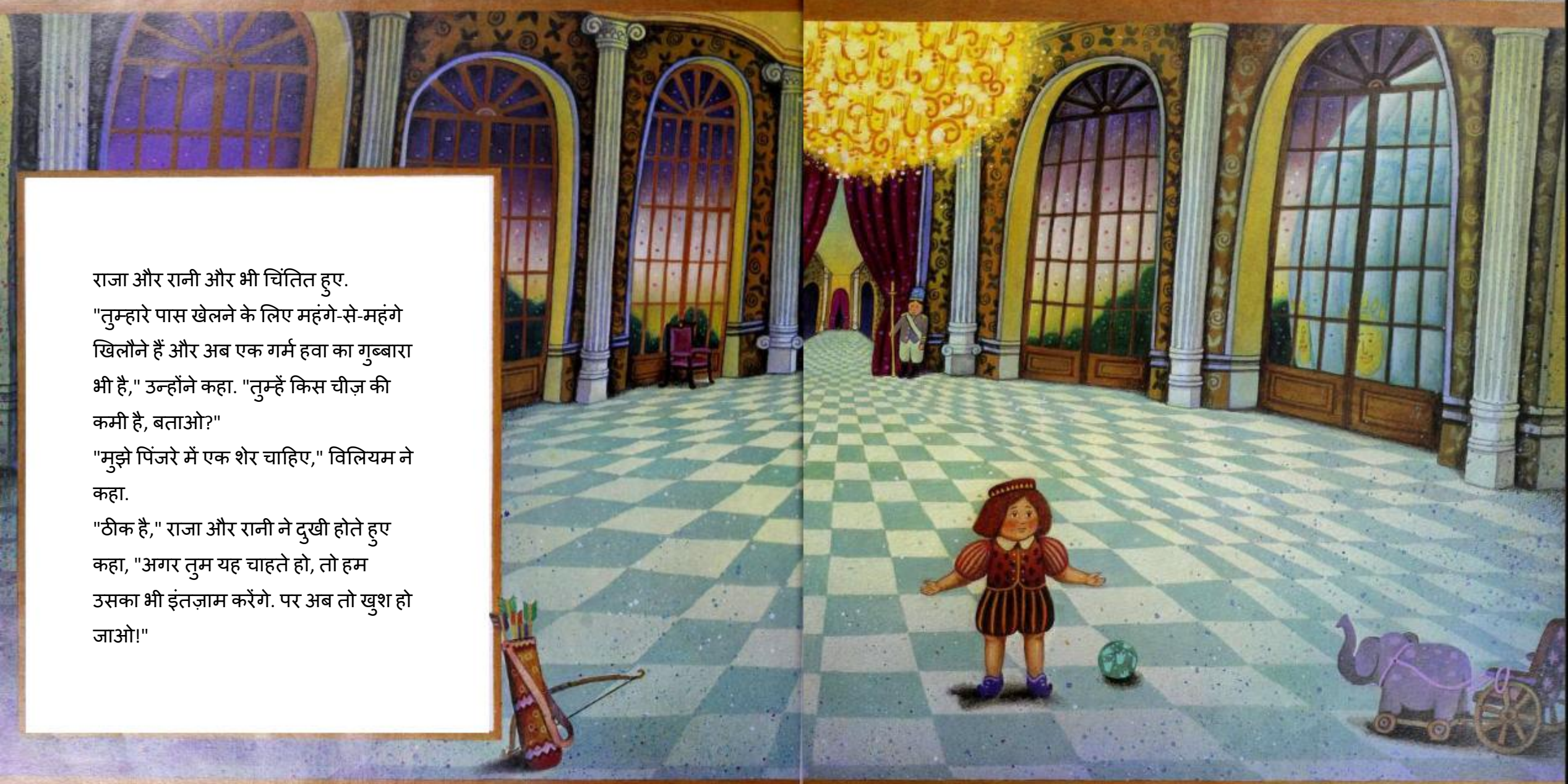

राजा और रानी और भी चिंतित हुए.
"तुम्हारे पास खेलने के लिए महंगे-से-महंगे खिलौने हैं और अब एक गर्म हवा का गुब्बारा भी है," उन्होंने कहा. "तुम्हें किस चीज़ की कमी है, बताओ?"
"मुझे पिंजरे में एक शेर चाहिए," विलियम ने कहा.
"ठीक है," राजा और रानी ने दुखी होते हुए कहा, "अगर तुम यह चाहते हो, तो हम उसका भी इंतज़ाम करेंगे. पर अब तो खुश हो जाओ!"

दिन भर, विलियम अपने शेर के साथ खेलता रहा. उसने शेर को चिढ़ाया और एक छड़ी से उसे परेशान किया. राजकुमार ने शेर को मांस के टुकड़े खिलाए. लेकिन फिर भी विलियम न तो हंसा और न ही रोया. वो बस उदास दिखा.

अब राजा और रानी और भी चिंतित हुए.

"तुम्हारे पास वो हर खिलौना है जिसे पैसा खरीद सकता है. तुम्हारे पास एक गर्म हवा के गुब्बारा और पिंजरे में एक शेर भी है," उन्होंने झल्लाकर कहा. "बताओ, इसके अलावा तुम और क्या चाहते हो?"

"मैं एक सेना का कमांडर बनना चाहता हूं," विलियम ने कहा.

"शाबाश," राजा और रानी ने अपने बेटे को गले लगाया, "अगर तुम यह चाहते हो, तो तुम जल्द ही सैनिकों की एक बटालियन की कमान संभालोगे. चलो अब खुश हो जाओ!"

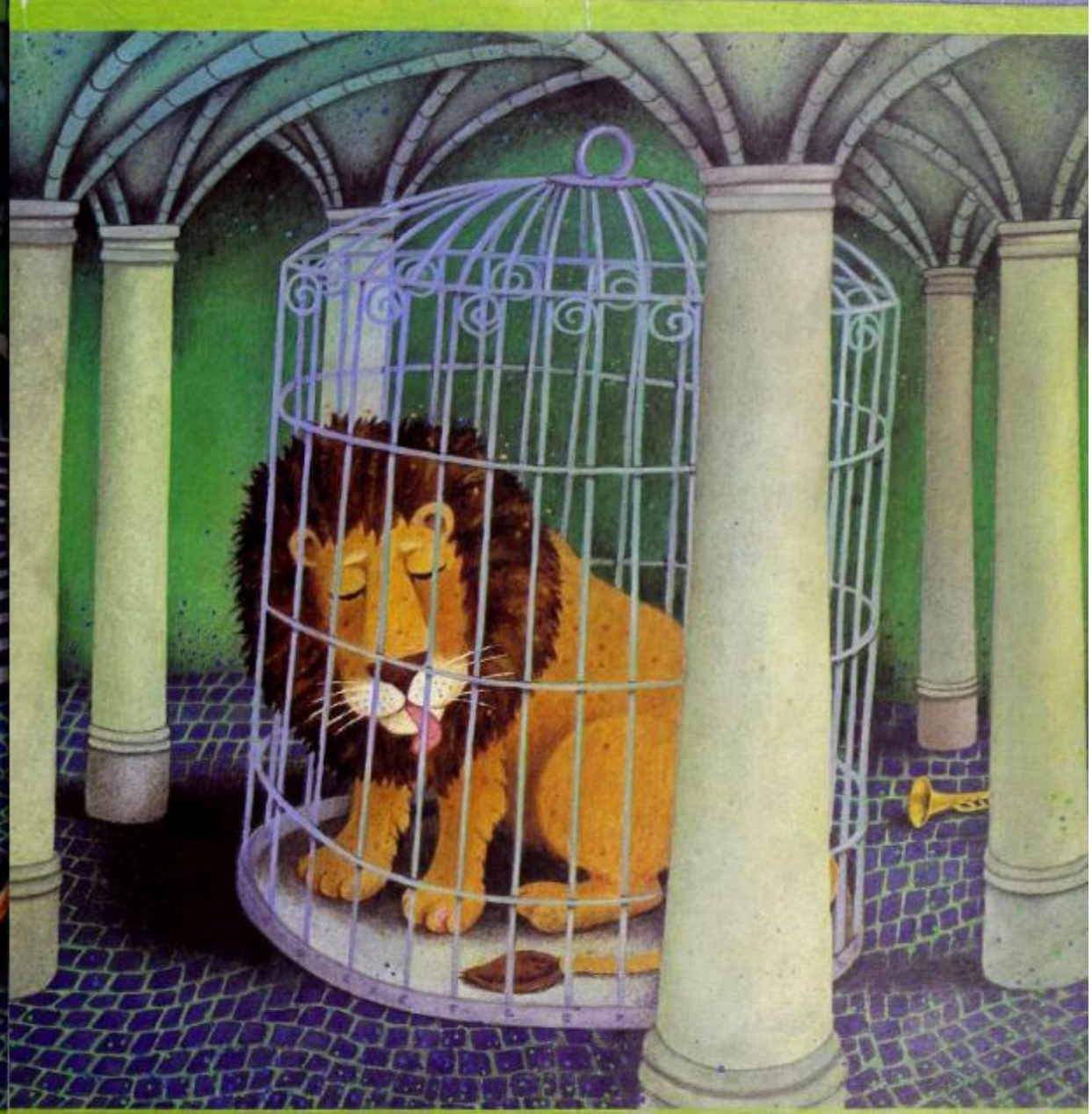

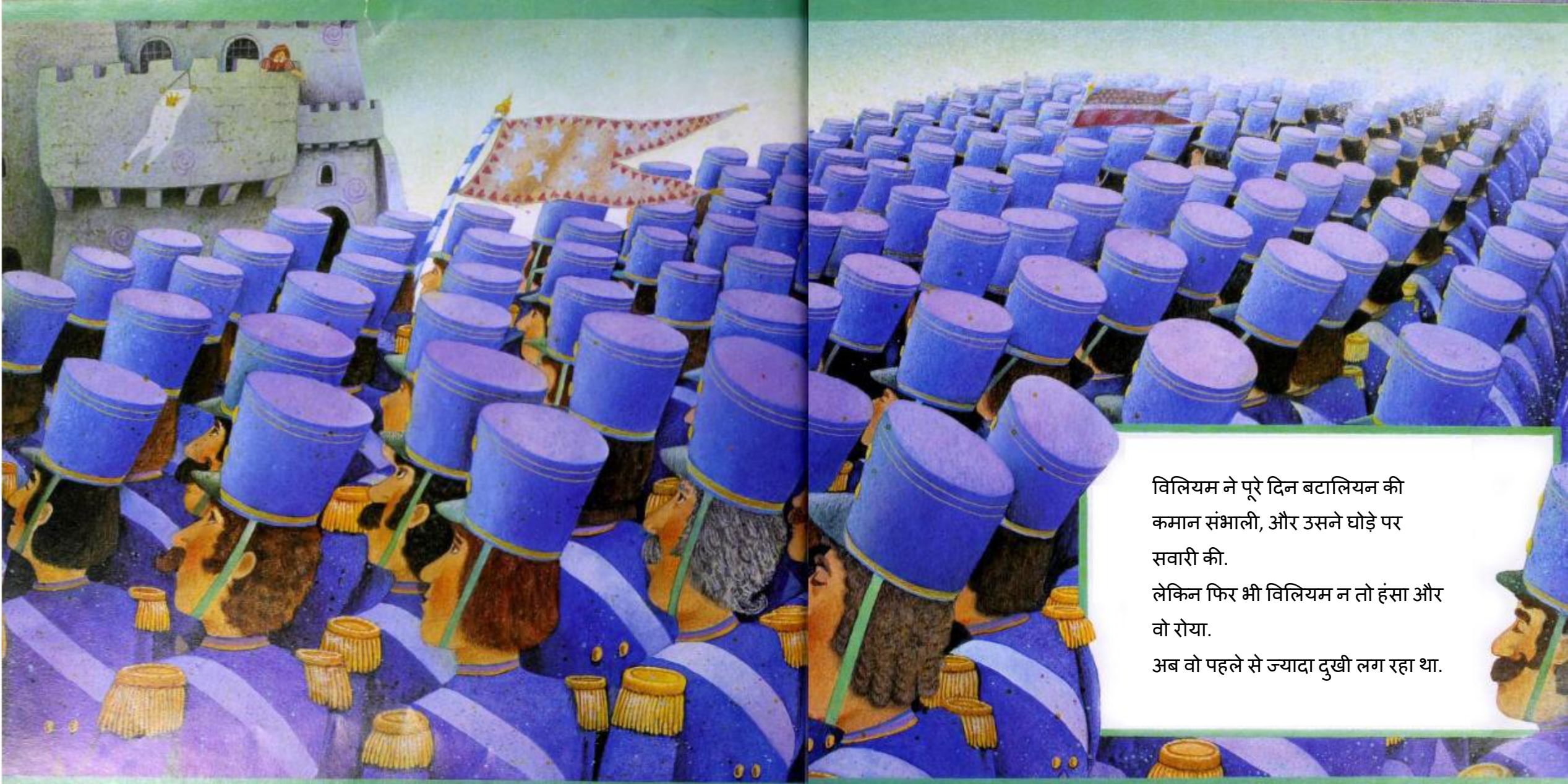

विलियम ने पूरे दिन बटालियन की
कमान संभाली, और उसने घोड़े पर
सवारी की.
लेकिन फिर भी विलियम न तो हंसा और
वो रोया.
अब वो पहले से ज्यादा दुखी लग रहा था.

फिर एक दिन, जब विलियम पार्क में टहल रहा था, तो उसने माली के लड़के को देखा. लड़का अपने घर के बाहर बैठा था. उसके पास उसका पालतू खरगोश था. माली के लड़के ने खरगोश को खाने के लिए हरे पत्ते दिए और फिर उसकी पीठ के बालों को सहलाया.

विलियम ने उन्हें बड़े गौर से देखा. फिर उसने सोचा, "मेरे पास सभी खिलौने हैं जो पैसे खरीद सकते हैं. मेरे पास एक गर्म हवा का गुब्बारा और पिंजरे में एक शेर और सैनिकों की एक बटालियन भी है, लेकिन जो मैं सबसे ज्यादा पसंद करूंगा वो है एक खरगोश को हरे पत्ते खिलाना और उसकी मुलायम पीठ को सहलाना."

विलियम लड़के के पास भागा हुआ गया. "मुझे अपना खरगोश दे दो," उसने कहा.

"नहीं," लड़के ने अपने खरगोश को पुचकारते हुए कहा. "वो खरगोश मेरा है. मैं उसे तुम्हें नहीं दे सकता हूँ."

फिर विलियम महल में अपने माता-पिता से शिकायत करने गया.

"मेरे पास सभी खिलौने हैं जो पैसे खरीद सकते हैं. मेरे पास एक गर्म हवा का गुब्बारा और पिंजरे में एक शेर और सैनिकों की एक बटालियन भी है, लेकिन जो चीज़ मैं सबसे ज्यादा पसंद करूंगा वो एक खरगोश है."

"अगर एक खरगोश तुम्हें खुश करेगा," राजा और रानी ने एक साथ कहा, "तो हम तुम्हें एक खरगोश ज़रूर दिलवाएंगे."

अगले दिन, विलियम अपने खरगोश के साथ खेला. उसने खरगोश को उठाया, उसके लंबे कानों को सहलाया और उसे खाने के लिए हरी पत्तियां और गाजर दी. लेकिन फिर भी विलियम न तो हंसा और न ही वो रोया. अब वो पहले से भी ज़्यादा दुखी लग रहा था.

"मुझे कोई भी खरगोश नहीं चाहिए," उसने कहा. "मुझे सिर्फ माली के लड़के वाला खरगोश ही चाहिए."

विलियम, माली के लड़के के पास वापस गया.
"तुम मुझे अपना खरगोश दे दो?" उसने पूछा.
"बदले में तुम मेरे सभी खिलौने ले लो."
"नहीं," लड़के ने कहा.
"कृपया मुझे अपना खरगोश दे दो," विलियम ने रोते हुए विनती की. "तुम मेरे सभी खिलौने के साथ-साथ मेरा गर्म हवा का गुब्बारा भी ले सकते हो."
"नहीं," माली के लड़के ने कहा.

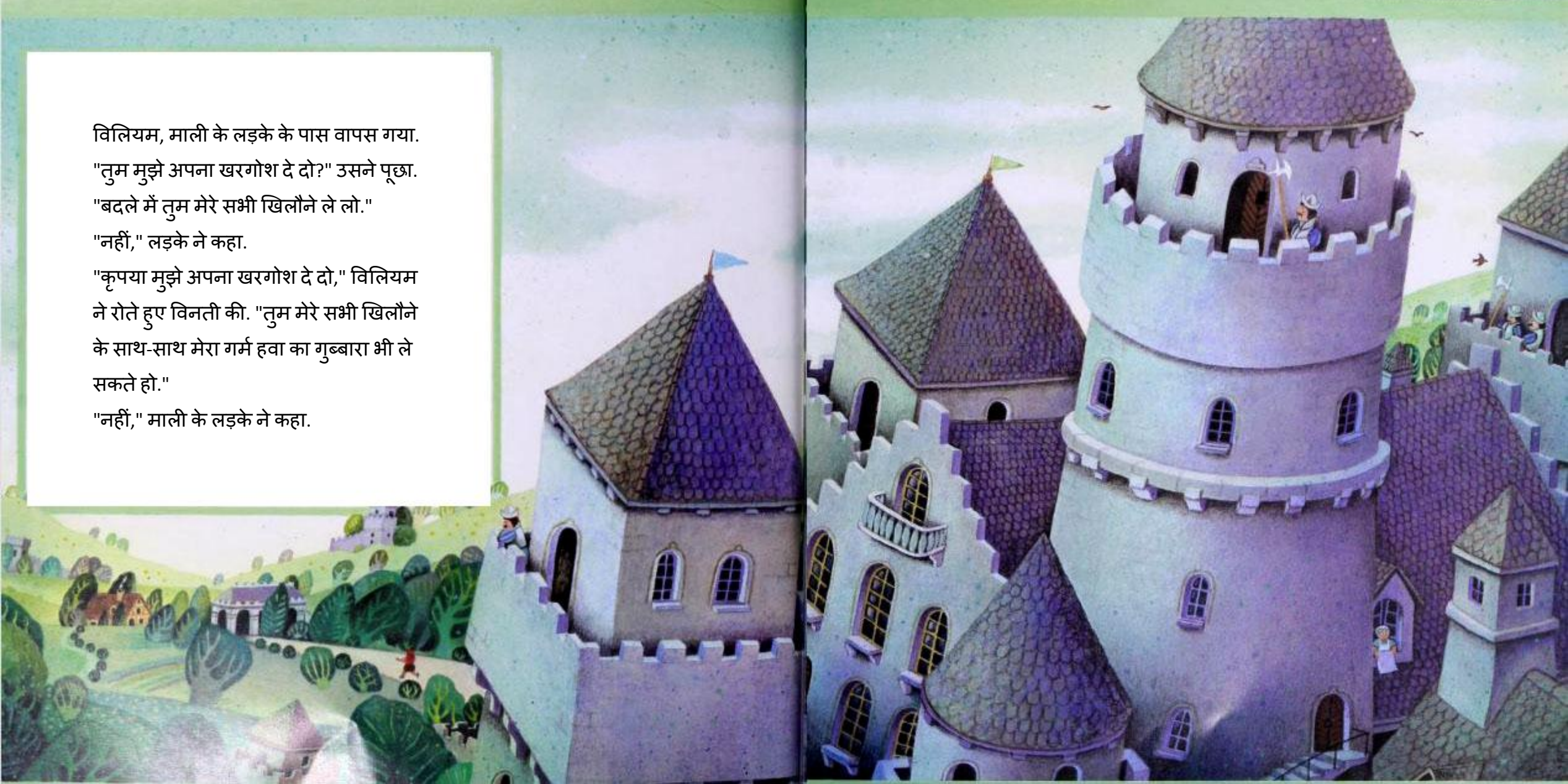

"कृपया मुझे अपना खरगोश दे दो," विलियम ने तीसरी बार भीख मांगी.

"तुम मेरे सभी खिलौनों के साथ-साथ मेरा गर्म हवा का गुब्बारा और साथ में पिंजरे में एक शेर और सैनिकों की एक बटालियन भी ले सकते हो."

"नहीं," माली के लड़के ने फिर कहा.

यह सुनकर विलियम को इतना दुख हुआ कि वो अचानक फूट-फूटकर रोने लगा.

तब माली का लड़का भी बहुत परेशान हुआ और उसने विलियम से कहा, "मैं तुम्हें अपना खरगोश तो नहीं दे सकता क्योंकि मैं उससे बहुत प्यार करता हूं और वो मेरा दोस्त है, लेकिन हम दोनों मिलकर उसके साथ खेल सकते हैं."

अगले दिन राजकुमार विलियम और माली का लड़का, खरगोश के साथ खुशी-खुशी खेल रहे थे. उन्होंने उसकी मुलायम पीठ को सहलाया और उसे खाने के लिए हरे पत्ते दिए.

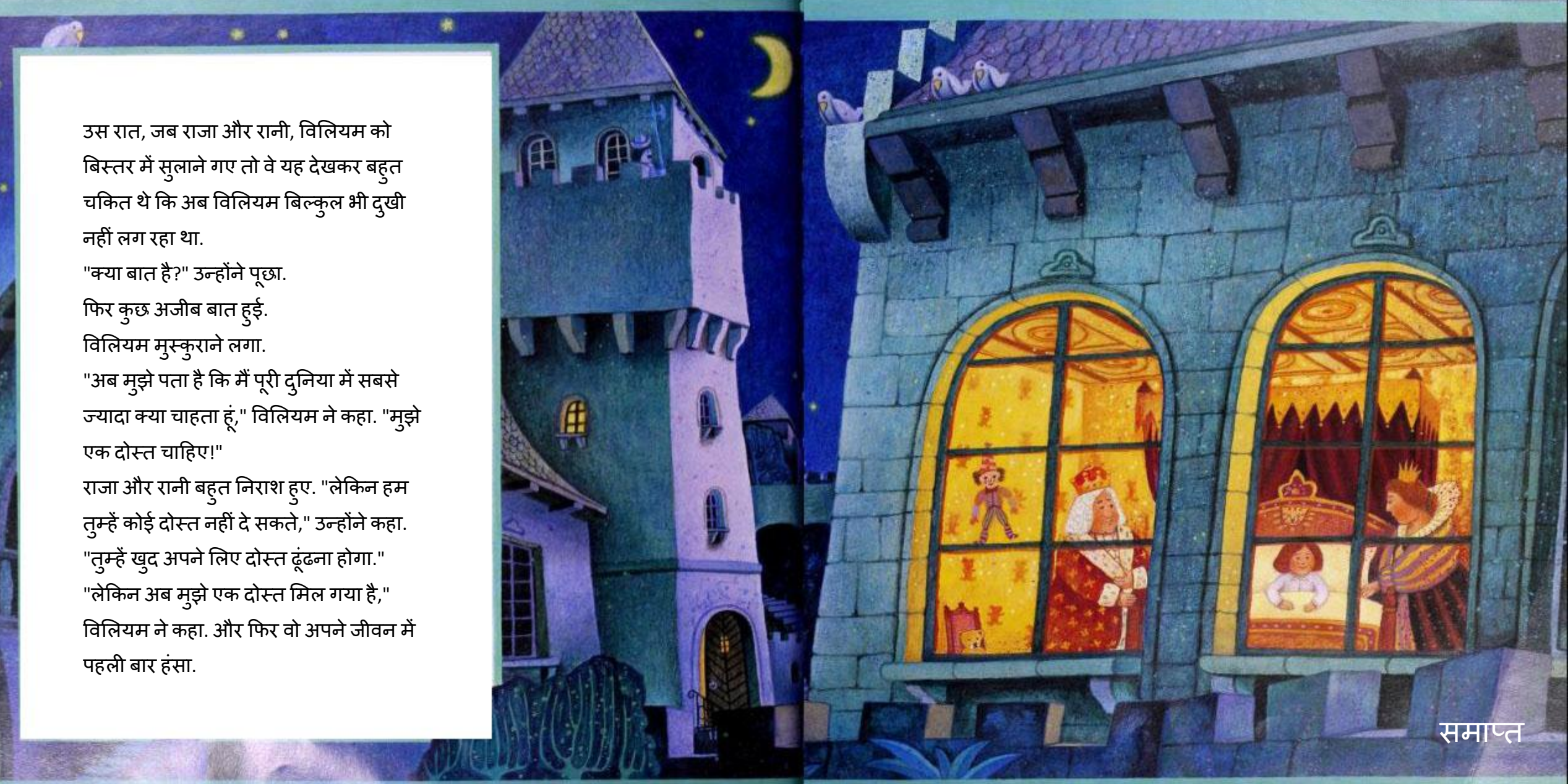

उस रात, जब राजा और रानी, विलियम को बिस्तर में सुलाने गए तो वे यह देखकर बहुत चकित थे कि अब विलियम बिल्कुल भी दुखी नहीं लग रहा था.

"क्या बात है?" उन्होंने पूछा.

फिर कुछ अजीब बात हुई.

विलियम मुस्कुराने लगा.

"अब मुझे पता है कि मैं पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा क्या चाहता हूं," विलियम ने कहा. "मुझे एक दोस्त चाहिए!"

राजा और रानी बहुत निराश हुए. "लेकिन हम तुम्हें कोई दोस्त नहीं दे सकते," उन्होंने कहा. "तुम्हें खुद अपने लिए दोस्त ढूंढना होगा."

"लेकिन अब मुझे एक दोस्त मिल गया है," विलियम ने कहा. और फिर वो अपने जीवन में पहली बार हंसा.

समाप्त